DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

27 May, 2024

मतदाताओं की विशेष श्रेणियां

संदर्भ: *चूँकि चुनाव ख़त्म होने वाले हैं और इस दौरान मतदाताओं की कई विशेष श्रेणियां उभर कर सामने आई हैं।*

➢ **लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत मतदान के लिए सामान्य नियम:**

- सभी मतदाताओं को अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर व्यक्तिगत रूप से मतदान करना होगा।
- मतदान निर्दिष्ट तिथि और समय पर होना चाहिए।
- मतदान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) का उपयोग करके आयोजित किया जाता है।

➢ **वैकल्पिक मतदान के तरीके और पात्रता: डाक द्वारा:**

- विशेष मतदाता डाक द्वारा मतदान करने के पात्र हैं।
- चुनाव ड्यूटी पर तैनात मतदाता डाक से मतदान कर सकते हैं।
- आवश्यक सेवाओं (एवीईएस) में कार्यरत व्यक्तियों को डाक द्वारा मतदान करने की अनुमति है।
- वरिष्ठ नागरिक (एवीएससी) डाक से मतदान कर सकते हैं।
- सेवा मतदाता डाक द्वारा मतदान करने के पात्र हैं।
- विकलांग व्यक्ति (एवीपीडी) डाक द्वारा मतदान कर सकते हैं।
- निवारक हिरासत में रखे गए मतदाता डाक द्वारा मतदान कर सकते हैं।
- कोविड-19 (एवीसीओ) से प्रभावित या संदिग्ध व्यक्ति डाक द्वारा मतदान करने के पात्र हैं।
- **सुविधा केंद्र:** चुनाव ड्यूटी पर तैनात मतदाता निर्दिष्ट सुविधा केंद्रों पर मतदान कर सकते हैं।
- **डाक मतदान केंद्र:** आवश्यक सेवाओं (एवीईएस) में अनुपस्थित मतदाता डाक मतदान केंद्रों पर मतदान कर सकते हैं।

➢ **घर/अस्पताल मतदान**

- 85+ आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिक (AVSC) घर या अस्पताल से मतदान कर सकते हैं।
- विकलांग व्यक्ति (एवीपीडी) घर या अस्पताल से मतदान कर सकते हैं।
- कोविड-19 (एवीसीओ) से प्रभावित या संदिग्ध व्यक्ति घर या अस्पताल से मतदान कर सकते हैं।

➢ **डाक मतपत्र**

- डाक मतपत्र ईवीएम के बिना मतदान केंद्रों के बाहर दूरस्थ मतदान की अनुमति देते हैं।
- निर्वाचन क्षेत्र में निर्धारित मतदान तिथि से पहले मतदान होता है।
- विशेष मतदाता, सेवा मतदाता, चुनाव ड्यूटी पर मतदाता, निवारक हिरासत के अधीन मतदाता, और आरपीए की धारा 60 (सी) के तहत अनुपस्थित मतदाता डाक मतपत्र के लिए पात्र हैं।
- योग्य मतदाताओं को रिटर्निंग ऑफिसर को एक औपचारिक आवेदन जमा करना होगा।
- सेवा मतदाताओं और निवारक हिरासत के तहत निर्वाचकों को स्वचालित रूप से डाक मतपत्र प्राप्त होते हैं।
- सेवा मतदाताओं के लिए इलेक्ट्रॉनिकली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलेट सिस्टम (ईटीपीबीएस) 2016 में शुरू किया गया था।

➢ **सुविधा केंद्र, डाक मतदान केंद्र:**

सुविधा केंद्र:

- चुनाव ड्यूटी पर मतदाताओं के लिए सुविधा केंद्र नामित हैं।
- ये केंद्र प्रशिक्षण स्थलों और निर्दिष्ट कार्यालयों में स्थित हैं।
- सुविधा केंद्रों पर मतदान प्रक्रिया की वीडियोटेप की जाती है।
- डाक मतपत्रों को लेबल वाले कॉटन बैग में रखा जाता है और एक स्ट्रॉन्ग रूम में रखा जाता है।

➢ **डाक मतदान केंद्र:**

- आवश्यक सेवाओं (एवीईएस) में अनुपस्थित मतदाताओं के लिए डाक मतदान केंद्र नामित किए गए हैं।
- ये केंद्र तीन निश्चित दिनों के लिए सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होते हैं।
- चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को इन केंद्रों के स्थान और कार्यक्रम के बारे में सूचित किया जाता है और वे पर्यवेक्षक भेज सकते हैं।

➢ **होम वोटिंग (घरेलू मतदान):**

- घरेलू मतदान 85 वर्ष से अधिक उम्र के अनुपस्थित मतदाताओं (एवीएससी), विकलांग व्यक्तियों (एवीपीडी), और कोविड-19 से प्रभावित या संदिग्ध व्यक्तियों (एवीसीओ) के लिए लागू है।
- बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) घर पर मतदान के लिए फॉर्म 12डी पहुंचाते और जमा करते हैं।
- घरेलू मतदान टीमों में दो मतदान अधिकारी, एक पुलिस सुरक्षा अधिकारी, एक माइक्रो-ऑब्जर्वर और एक वीडियोग्राफर शामिल होते हैं।
- मतदान के एक दिन पहले गृह मतदान के लिए दौरा पूरा हो जाता है।

विरुपाक्ष मंदिर

संदर्भ: *कर्नाटक में विरुपाक्ष मंदिर का एक हिस्सा हाल ही में भारी बारिश के कारण ढह गया।*

➢ **विरुपाक्ष मंदिर, हम्पी का अवलोकन:**

- यह बेंगलुरु से करीब 350 किमी दूर स्थित है।
- हम्पी दक्षिण भारत का एक मंदिर शहर और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।
- यह हम्पी के स्मारकों के समूह का हिस्सा है, जो हम्पी के ऐतिहासिक और स्थापत्य गौरव को प्रदर्शित करता है।

➢ **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:**

- विरुपाक्ष मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और इसका निर्माण विजयनगर शासन के दौरान शासक परुदा देव राय के सरदार लक्कन दंडेशा ने करवाया था।
- इसे पम्पापति मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, यह हम्पी के खंडहरों के बीच सबसे पुरानी जीवित संरचना है।
- प्रसन्न विरुपाक्ष मंदिर (भूमिगत शिव मंदिर) से भिन्न है।
- इस मंदिर का इतिहास 7वीं शताब्दी के आसपास का है, जिसमें 9वीं और 10वीं शताब्दी के भगवान शिव से संबंधित शिलालेख भी हैं।
- विजयनगर के सम्राटों ने मंदिर परिसर का विस्तार किया, जो एक साधारण संरचना के रूप में शुरू हुआ था।
- चालुक्य और होयसल सम्राटों द्वारा भी योगदान दिया गया था।
- इस छत की पेंटिंग 14वीं और 16वीं शताब्दी की हैं।
- उत्तरी और पूर्वी गोपुर सहित अन्य प्रमुख नवीकरण 19वीं सदी की शुरुआत में हुई थी।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

➤ **स्थापत्य विशेषताएँ:**

- मंदिर परिसर में एक गर्भगृह, तीन पूर्व कक्ष, एक स्तंभ वाला हॉल और एक खुला स्तंभ वाला हॉल शामिल है।
- नाजुक नक्काशीदार खंभे मंदिर की शोभा बढ़ाते हैं।
- परिसर में एक स्तंभयुक्त मठ, प्रवेश द्वार, आंगन और छोटे मंदिर शामिल हैं।
- नौ-स्तरीय पूर्वी प्रवेश द्वार 50 मीटर ऊंचा है, जो कई छोटे मंदिरों के साथ बाहरी आंगन तक पहुंच प्रदान करता है।
- उत्तर की ओर कनकगिरि गोपुरम छोटे मंदिरों और तुंगभद्रा नदी के साथ एक छोटे से घेरे की ओर जाता है।
- मंदिर के दिर अपने निर्माण और सजावट में गणितीय अवधारणाओं और फ्रैक्टल पैटर्न को शामिल करता है।
- विजयनगर के शासक कृष्णदेवराय के महत्वपूर्ण योगदान के साथ, आकार में त्रिकोणीय।
- कृष्णदेवराय द्वारा निर्मित केंद्रीय स्तंभित हॉल और प्रवेश द्वार भी उउल्लेखनीय हैं।
- केंद्रीय स्तंभित हॉल का उपयोग संगीत, नृत्य, नाटक कार्यक्रमों और देव विवाह समारोहों के लिए किया जाता था।

➤ **सांस्कृतिक महत्व:**

- 1565 में बहमनी सल्तनत द्वारा विनाश के बावजूद मंदिर बरकरार है और इसमें अभी भी पूजा की जाती है।
- यहाँ विरुपाक्ष-पम्पा की पूजा अनवरत जारी रहती है।
- यह मंदिर दिसंबर में भगवान विरुपाक्ष और देवी पम्पा की सगाई और विवाह समारोह और वार्षिक रथ उत्सव जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन करता है।
- इन समारोहों को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक आकर्षित होते हैं।
- यह मंदिर हम्पी की जीवित महिमा के प्रमाण के रूप में खड़ा है।

डब्ल्यूआईपीओ संधि

***संदर्भ**: WIPO के सदस्य देशों ने हल ही में बौद्धिक संपदा, आनुवंशिक संसाधनों और संबंधित पारंपरिक ज्ञान पर एक ऐतिहासिक नई संधि को अपनाया है।*

➤ **डब्ल्यूआईपीओ संधि क्या है ?**

- बौद्धिक संपदा, आनुवंशिक संसाधन (जीआर), और संबंधित पारंपरिक ज्ञान (एटीके) पर विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) संधि वैश्विक दक्षिण और भारत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।
- भारत, प्रचुर पारंपरिक ज्ञान के साथ एक मेगा जैव विविधता हॉटस्पॉट, इस संधि का एक प्रमुख समर्थक रहा है।

➤ **ऐतिहासिक महत्व:**

- पहली बार, ज्ञान और बुद्धिमत्ता की पारंपरिक प्रणालियाँ, जिन्होंने सदियों से अर्थव्यवस्थाओं, समाजों और संस्कृतियों का समर्थन किया है, हालाँकि इसे अब वैश्विक आईपी प्रणाली में मान्यता प्राप्त हैं।
- यह संधि स्थानीय समुदायों और उनके जीआर और एटीके के बीच संबंध को स्वीकार करती है, जो भारत द्वारा समर्थित एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

➤ **संधि के लाभ:**

- संधि जैव विविधता की सुरक्षा और सुरक्षा करेगी और पेटेंट प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाएगी।
- इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करके नवाचार को मजबूत करना है कि आईपी प्रणाली समावेशी रूप से विकसित होते हुए नवाचार को प्रोत्साहित करती रहे।
- सभी देशों और उनके समुदायों की जरूरतों का प्रत्युत्तर है।

➤ **समर्थन:**

- दो दशकों की बातचीत के बाद इस संधि को 150 से अधिक देशों के बीच सर्वसम्मति से अपनाया गया है।
- यह भारत और वैश्विक दक्षिण के लिए एक महत्वपूर्ण जीत का प्रतीक है, जो लंबे समय से इस उपकरण की वकालत करते रहे हैं।
- इस संधि को अधिकांश विकसित देशों का समर्थन प्राप्त है जो आईपी उत्पन्न करते हैं और अनुसंधान और नवाचार के लिए जीआर और एटीके का उपयोग करते हैं।

➤ **आईपी प्रणाली और जैव विविधता संरक्षण पर प्रभाव:**

- संधि का उद्देश्य आईपी प्रणाली के भीतर परस्पर विरोधी प्रतिमानों को पाटना और दशकों से मौजूद जैव विविधता की सुरक्षा करना है।
- अनुसमर्थन और लागू होने पर, अनुबंध करने वाले दलों को पेटेंट आवेदकों के लिए अनिवार्य प्रकटीकरण दायित्वों को लागू करने की आवश्यकता होगी।
- जब दावा किया गया आविष्कार इन संसाधनों या एटीके पर आधारित है तो आवेदकों को जीआर के मूल देश या स्रोत का खुलासा करना होगा।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

ग्रांड प्रिक्स पुरस्कार

हाल ही में सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान (FTII) की पूर्व छात्रा पायल कपाड़िया को उनकी फिल्म के लिए 77वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में ग्रैंड प्रिक्स जीतने पर बधाई दी है।

ग्रांड प्रिक्स के बारे में:

- ग्रांड प्रिक्स कान्स फिल्म फेस्टिवल में **पाल्मे डी ओर'** के बाद दूसरा सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है।
- 2024 में आयोजित कान्स फिल्म फेस्टिवल के 77वें संस्करण में, भारतीय फिल्म निर्माता पायल कपाड़िया ने अपनी फिल्म **"ऑल वी इमेजिन एज़ लाइट"** के लिए ग्रांड प्रिक्स जीता।
- यह उपलब्धि पहली बार है जब किसी भारतीय फिल्म ने कान्स में ग्रांड प्रिक्स जीता है।
- पायल कपाड़िया की जीत 30 साल बाद किसी भारतीय फिल्म के लिए पाल्मे डी'ओर श्रेणी में नामांकन के साथ भी मेल खाती है।
- विजेता फिल्म, "ऑल वी इमेजिन ऐज़ लाइट", सूचना और प्रसारण मंत्रालय की फिल्म प्रोत्साहन योजना द्वारा समर्थित एक आधिकारिक सह-उत्पादन है।

सत्यमंगलम टाइगर रिजर्व

हाल ही में, तमिलनाडु वन विभाग ने सत्यमंगलम टाइगर रिजर्व में तीन दिवसीय हाथी जनगणना शुरू की।

सत्यमंगलम टाइगर रिजर्व के बारे में:

- सत्यमंगलम टाइगर रिजर्व तमिलनाडु राज्य में नीलगिरि बायोस्फीयर रिजर्व जैव विविधता में पूर्वी और पश्चिमी घाट के जंक्शन पर स्थित है।
- यह मुदुमलाई टाइगर रिजर्व, बांदीपुर टाइगर रिजर्व और बिलिगिरि रंगास्वामी मंदिर टाइगर रिजर्व और वन्यजीव अभयारण्य से सटा हुआ है।
- भारत के वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत 2013 में एक बाघ अभयारण्य के रूप में स्थापित, सत्यमंगलम टाइगर रिजर्व एक प्रतिष्ठित संरक्षित क्षेत्र का दर्जा रखता है, जो अपनी समृद्ध जैव विविधता और प्रमुख प्रजातियों के संरक्षण के लिए समर्पित है।
- **वनस्पति:** रिज़र्व विविध वनस्पतियों को समेटे हुए है, जिसमें नीम, इमली, जाइरोकार्पसजैक्विनी, चंदन, रैंडी डुमेटोरम आदि शामिल हैं।
- **जीव-जंतु:** सत्यमंगलम टाइगर रिजर्व में प्रमुख जीव प्रजातियों में हाथी, बाघ, तेंदुआ, स्लॉथ भालू, गौर, काला हिरण, चित्तीदार हिरण, जंगली सूअर, ब्लैक-नैप्ड खरगोश, आम लंगूर, नीलगिरि लंगूर, धारीदार गर्दन नेवला और बोनट मकाक शामिल हैं।

अष्टमुडी झील

केरल विश्वविद्यालय के जलीय जीव विज्ञान और मत्स्य पालन विभाग के एक हालिया अध्ययन में अष्टमुडी झील में माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण का खतरनाक स्तर पाया गया।

अष्टमुडी झील के बारे में:

- अष्टमुडी झील, जिसे अष्टमुडी कयाल के नाम से भी जाना जाता है, केरल के कोल्लम जिले में स्थित एक झील है।
- यह केरल की दूसरी सबसे बड़ी झील है और इसे **"केरल बैकवाटर्स का प्रवेश द्वार"** के रूप में जाना जाता है।
- यह झील अपनी हाउसबोट सवारी और बैकवाटर रिसॉर्ट्स के लिए प्रसिद्ध है और यह कई पौधों और पक्षियों की प्रजातियों का भी आवास है।
- अष्टमुडी नाम मलयालम शब्द अष्ट से आया है जिसका अर्थ है **"आठ"** और मुडी का अर्थ है **"चोटियाँ"** या "शाखाएँ"।
- झील की आठ भुजाएँ या चैनल हैं और इसका आकार ताड़ के आकार और **ऑक्टोपस** के आकार दोनों के रूप में वर्णित किया गया है।
- यह एक अद्वितीय आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र है जो मीठे पानी और खारे पानी को जोड़ता है, जिससे यह एक जैव विविधता हॉटस्पॉट बन जाता है।
- झील को कल्लादा नदी से पानी मिलता है, जो पश्चिमी घाट से निकलती है।
- 2012 में, अष्टमुडी झील को अंतरराष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि, रामसर साइट नामित किया गया था।

खगोलीय क्षणिकाएँ

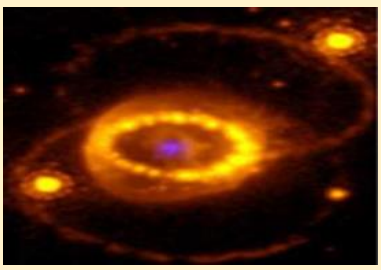

हाल ही में, भारतीय-अमेरिकी खगोलशास्त्री श्रीनिवास कुलकर्णी को खगोलीय क्षणभंगुर की भौतिकी को समझने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए खगोल विज्ञान के लिए 2024 शॉ पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

खगोलीय क्षणिक के बारे में:

- खगोल विज्ञान में, 'क्षणिक' किसी भी खगोलीय वस्तु को संदर्भित करता है जिसकी चमक थोड़े समय के अंतराल में तेजी से बदलती है।
- इन घटनाओं को अंतरिक्ष में हिंसक घटनाओं द्वारा चिह्नित किया जाता है, जो खगोलविदों को उनकी उत्पत्ति और निहितार्थों की अंतर्दृष्टि के लिए उनका अध्ययन करने के लिए प्रेरित करती है।
- यह मान्यता क्षणिक खगोलीय घटनाओं और ब्रह्मांड की हमारी समझ पर इसके प्रभाव के अध्ययन में अनुसंधान के महत्व पर प्रकाश डालती है।
- खगोलीय क्षणिक प्रकारों में सुपरनोवा, एक्टिव गैलेक्टिक न्यूक्लियस (एजीएन) और फास्ट रेडियो बर्स्ट्स (एफआरबी) शामिल हैं।
- सुपरनोवा तब घटित होता है जब विशाल तारे अपना परमाणु ईंधन समाप्त कर लेते हैं और विस्फोट करते हैं, जिससे उनकी संपूर्ण मेजबान आकाशगंगाओं की तुलना में अधिक तीव्रता से प्रकाश उत्सर्जित होता है।
- एक सक्रिय गैलेक्टिक न्यूक्लियस (एजीएन) विशाल आकाशगंगाओं के केंद्र में पाया जाता है और एक सुपरमैसिव ब्लैक होल की मेजबानी करता है, जिससे आसपास के पदार्थ के साथ बातचीत के कारण चमक में उतार-चढ़ाव होता है।
- फास्ट रेडियो बर्स्ट (एफआरबी) 2007 में खोजे गए रेडियो तरंगों के रहस्यमय विस्फोट हैं, जो मिलीसेकंड में अत्यधिक ऊर्जा उत्सर्जित करते हैं और अज्ञात स्रोतों से उत्पन्न होते हैं।

सुर्खियों में स्थल

लाओस

हाल ही में, लाओस में भारतीय दूतावास ने 13 भारतीयों को सफलतापूर्वक बचाया और वापस लाया, जिनमें अटापेउ प्रांत में एक लकड़ी कारखाने से सात उड़िया श्रमिक और बोकेओ प्रांत में गोल्डन ट्रायंगल विशेष आर्थिक क्षेत्र से छह युवा शामिल थे।

लाओस (राजधानी: वियनतियाने)

अवस्थिति : लाओस, आधिकारिक तौर पर लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक दक्षिण पूर्व एशिया में एकमात्र भूमि से घिरा देश है।

राजनीतिक सीमाएँ: लाओस की सीमाएँ वियतनाम (पूर्व और उत्तर-पूर्व), थाईलैंड (पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम), चीन (उत्तर), म्यांमार (उत्तर-पश्चिम) और कंबोडिया (दक्षिण) से लगती हैं।

भौतिक विशेषताएं:

- लाओस का उच्चतम बिंदु फू बिया है।
- लाओस की प्रमुख नदियों में मेकांग नदी शामिल है, जो पश्चिमी सीमा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, और नाम ओउ नदी, जो मेकांग की एक मुख्य सहायक नदी है।
- एनामाइट रेंज वियतनाम के साथ पूर्वी सीमा पर चलती है।
- लाओस के पास कोयला, बॉक्साइट, टिन, तांबा और सोना सहित महत्वपूर्ण खनिज संसाधन हैं।
- लाओस में उष्णकटिबंधीय मानसूनी जलवायु है।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने किस दिन को अंतर्राष्ट्रीय मार्खोर दिवस के रूप में घोषित किया? – **24 मई**
- हाल ही में कौन सा हवाई अड्डा जीरो वेस्ट टू लैंडफिल (ZWL) सम्मान प्राप्त करने वाला भारत का पहला हवाई अड्डा बन गया? – **तिरुवनंतपुरम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा**
- हाल ही में समाचारों में देखा गया 'ग्रह संरेखण' क्या है? – **यह सौर मंडल में ग्रहों की स्थिति का वर्णन करने के लिए उपयोग किया जाने वाला शब्द है।**
- प्रतिवर्ष कौन सा दिन 'विश्व प्रीक्लेम्पसिया दिवस' के रूप में मनाया जाता है? **- 22 मई**
- हाल ही में किस देश ने ASMPA सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया? – **फ्रांस**